रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 4 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 246 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

खंडवा में मातम, एक ही वक्त जलीं 11 चिताएं

● 8 साल की चंदा के शव के पास खेलती रहीं बहनें ● खंडवा हादसे के पीड़ित परिवारों से मिले मुख्यमंत्री

एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर और डीएसपी हेडक्वार्टर अनिल सिंह चौहान मौके पर मौजूद रहे। मंत्री विजय शाह ने पाडलफाटा में मृतकों के परिजन से घर-घर जाकर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है। हर संभव मदद की जाएगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी भी गांव पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की।

सीएम ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 3.40 बजे खंडवा के पाडलफाटा गांव पहुंचे। यहां प्रशासन ने एक टेंट के नीचे सभी पीड़ित परिवारों को बुलवा लिया था। सीएम ने करीब 25 मिनट तक पीड़ित परिवारों से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी गई हैं। घायलों को 50 हजार रुपए और गंभीर घायलों को एक-एक लाख रुपए की राशि दी जाएगी। साथ ही जामली के जिन ग्रामीणों ने लोगों की जान बचाई हैं, उन युवाओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, काफी दुखद घटना है। मृतकों में किसी की इकलौती संतान थी। किसी के घर में बेटियों ही नहीं रहीं। बड़ा ही वीभत्स हादसा है। परिवारों की आर्थिक स्थिति भी काफी दयनीय है। मुख्यमंत्री यहां आ रहे हैं, उन्होंने पहली बार संवेदनशीलता दिखाई है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद, लेकिन वे यहां आ रहे हैं तो पीड़ित परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की मुआवजा राशि दें। प्रत्यक्षदर्शी करण ने बताया कि रास्ते में विसर्जन के लिए कोई बेहतर स्थान नहीं मिला, तो लोग हमारे जामली गांव आए। यहां बैकवाटर में मूर्ति विसर्जन के लिए जाने लगे।

पहली बार दुर्गा प्रतिमाओं पर चढ़े नींबू से बनेगा बायो-एंजाइम

● भोपाल में नवरात्रि में 2 टन नींबू इकट्ठा किए, 10 हजार लीटर स्प्रे तैयार करेंगे

भोपाल। राजधानी भोपाल में पहली बार दुर्गा प्रतिमाओं पर चढ़े नींबू से बायो एंजाइम बनेगा। नवरात्रि में 2 टन से ज्यादा नींबू इकट्ठा हुए हैं। इससे करीब 10 हजार लीटर स्प्रे तैयार हो रहा है। इसमें संतरे के छिलके और सड़े गुड़ को भी मिलाया जाएगा। फिर तालाब-कुंड में डाला जाएगा। ताकि, कुंड का पानी साफ और स्वच्छ हो सके। गणेश उत्सव के दौरान ये प्रयोग किया गया था, लेकिन उतनी मात्रा में नींबू इकट्ठा नहीं हुए थे, जो नवरात्रि के 9 दिनों में हो गया। करीब 5 हजार पंडाल में निगम की निर्माल्य सामग्री इकट्ठा करने वाली गाड़ियां घूमती रहीं। इसके बाद नींबू को अलग कर बायो इंजाइम बनाने की प्रक्रिया शुरू की। आखिरी 3 दिन में ही 8 टन से ज्यादा नींबू आया।

पंचकोशी यात्रियों के साथ हुआ आश्वासन का धोखा एन वक्त पर प्रशासन ने किया हाथ खड़े

संजय प्रेम जोशी

पहले से तई पंचकोशी यात्रा का मार्ग 3 अक्टूबर को पिपरी से रतनपुर बावड़ी खेड़ा होते हुए खारी नदी पार करके जयंती माता पहुंचना था।5 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 115 किलोमीटर में पूर्ण हो जाती। लेकिन पहले से अवगत कराने के बावजूद भी वन विभाग रतनपुर द्वारा खारी नदी पर लकड़ी पुल का निर्माण नहीं किया उल्टा प्रशासन ने सहयोग देने की बजाय अधिक पानी का हवाला देकर श्रद्धालुओं को इस पर रोक दिया और मजबूरी में वाहन द्वारा यह पंचकोशी यात्रा यात्रा 125 किलोमीटर अतिरिक्त हो गई। मामला 3 अक्टूबर को समय अनुसार सुबह जल्दी लगभग 1000 श्रद्धालु पिपरी स्थित नर्मदा मंदिर पहुंचे यहां से मां नर्मदा का आशीर्वाद लेकर पूजा करते हुए यह जत्था निमन पुर होते हुए रतनपुर पहुंचा रास्ते में कई स्थान पर सभी लोगों की चाय और नाश्ते की व्यवस्था की गई कुछ स्थान पर फल और फलि हारी मिक्चर श्रद्धालुओं निशुल्क वितरित किया गया स्वास्थ्य विभाग के बी एम ओ डॉक्टर हेमंत पटेल ने अपना वादा निभाते हुए रतनपुर में स्वास्थ्य कैंप आयोजित कर सभी श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उचित दवाई दी। लेकिन जैसे ही यह जथ्था रतनपुर पहुंचा वहां उदय नगर पुलिस जो पहले से तैनात थी। उन्होंने यात्रियों को आगे की यात्रा करने से इसलिए मना कर दिया कि खारी नदी में पुल नहीं बन पाया है। और अधिक पानी होने से उनकी जान को खतरा है। करीब 1 घंटे तक चली मान मुनावर की नौटंकी मैं आखिरकार यात्रियों को निजी वाहन से कांटा फोड़ होते हुए जयंती माता जाने का विकल्प दिया पंचकोशी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बताया कि समिति सदस्यों ने खारी नदी पर नाव की व्यवस्था कर दी लेकिन प्रशासन ने एक नहीं सुनी और यात्रा को 125 किलोमीटर अतिरिक्त सफर का बना दिया उदय

नगर थाना प्रभारी से इस संबंध में चर्चा की गई उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों का आदेश था। कि पंचकोशी यात्रियों को किसी भी सूरत में नदी में नहीं उतरने दिया जाए। कारण यह की वर्तमान में बारिश का मौसम चल रहा है ।और पानी अधिक होने से दुर्घटना घटने का अंदेशा था। पंचकोशी यात्रियों ने बताया कि उन्होंने 8 दिन पूर्व बागली विधायक मुरली भंवरा और अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ वन विभाग के सभी अधिकारियों को लकड़ी पुल बनाने के लिए आवेदन दिया था। लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की और आखिरकार लकड़ी पुल अभी तक नहीं बन पाया इसके चलते उनकी यात्रा 125 किलोमीटर अतिरिक्त लंबी हो गई यह यात्रा जयंती माता होते हुए अन्य पड़ाव से गुजरते हुए दक्षिण छोर धारा जी पर पहुंच जाएगी वहां से तो नाव द्वारा ही उत्तर छोर पर आना होगा अब देखते हैं 1000 श्रद्धालुओं को प्रशासन धाराजी नदी पार करने की अनुमति देता है या नहीं। समिति अध्यक्ष राम दिन सेवलिया उपाध्यक्ष सालक राम खेलकर भगवान सिंह राजपूत डॉ अनुराधा शर्मा आदि ने बताया कि प्रशासन के सहयोग से उनका मन दुखी है विगत से 36 वर्षों से यह यात्रा जारी है नदी नहीं पार करने की स्थिति दो बार पहले भी बन चुकी है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा जरूरी

पंचकोशी यात्रा को लेकर हमारे प्रतिनिधि को बागली विधायक मुरली भंवरा ने बताया कि इस लकड़ी पुल वाले मामले में सभी अधिकारियों से चर्चा हो चुकी लेकिन खारी नदी में वर्तमान में 10 से 12 फीट पानी होने की वजह से उस पार करना सुरक्षित नहीं है। और शासन तथा प्रशासन का मानना है। की सबसे पहले सुरक्षा जरूरी है। इसलिए यात्रा लंबी हो उसकी दिक्कत नहीं लेकिन सुरक्षित यात्रा रहे यह सभी का ध्येह है । दक्षिणी छोर से उत्तर छोड़ की धाराजी नाव यात्रा के संबंध में वह जिला कलेक्टर से चर्चा करेंगे।

खमरिया में प्लांट सुपरवाइज़र से मारपीट, गांव के लोगों पर आरोप

तिल्दा नेवरा। खमरिया गांव में स्थित एक प्लांट में मंगलवार को विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। जानकारी के अनुसार गांव के कुछ लोगों ने प्लांट में पहुँचकर वहाँ कार्यरत सुपरवाइज़र अभिषेक पर प्राणघातक हमला किया जिसके कारण उसके सर पर गंभीर चोट आयी और उसको अधमरा हालत में कंपनी गेट के सामने छोड़ कर भाग गये। इस घटना से प्लांट में अफरा-तफरी मच गई। बाद में उसको कंपनी के दावरा ओम हासपिटल में ले जाया गया तो उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुये ओम हासपीटल द्वारा म.म.आई. हासपीटल को रेफर कर दिया उसके बाद गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया।मिली जानकारी के अनुसार शंकर मंडावी खमरिया और उसके साथियों ने मिलकर सुपरवाइज़र पर हमला किया। घटना की सूचना मिलते ही प्लांट प्रबंधन व कर्मचारी सकते में आ गए। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद को लेकर यह घटना हुई है। पीड़ित सुपरवाइज़र ने मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी है और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी चल रही है। घटना के बाद कंपनी के कर्मचारियों तनाव एवं भय का वातावरण माहौल हो गया है।

इंदौर नगर निगम झोन 19 के ARO पुनीत अग्रवाल और बिल कलेक्टर रोहित सावले को पैसा लेते पकड़ा.....EOW की कार्रवाई

नगर निगम के रिश्वतखोर अधिकारी फिर EOW के हाथ लगे। मिली जानकारी के अनुसार इन्दौर नगर निगम झोन 19 के एआरओ पुनीत अग्रवाल और बिल कलेक्टर रोहित सावले को पैसे लेते रंगेहाथ EOW ने पकड़ा है, सहायक राजस्व अधिकारी (एआरओ)

पुनीत अग्रवाल और बिल कलेक्टर रोहित साबले कबाड़ी संतोष सिलावट से 40 हज़ार रुपए लेते हुए पकड़ाए है, ये रिश्वत गोदाम सील कर के मांगी थी फिलहाल, झोन 19 में कार्रवाई चल रही हैं आगे और भी खुलासे हो सकते हैं।

हाथों से प्रवाहित होने वाले चैतन्य व स्पर्श के विज्ञान को समझें सहजयोग से

जब हम किसी का स्पर्श करते हैं तब उंगलियों के पोर ही सर्वप्रथम स्पर्श का आभास पाते हैं। कई बार किसी का स्पर्श करते ही हमें नकारात्मकता का बोध होता है और हम तत्काल हाथ पीछे खींच लेते है। जब हम सहज योग से जुड़ते हैं और आत्मसाक्षात्कार पाते हैं तब विद्युत के प्रवाह सा, पर शीतल चैतन्य हमारे संपूर्ण शरीर में प्रवाहित होने लगता है और उंगलियों के अग्रभाग पर यह सर्वाधिक केंद्रित होता है। हथेली सदैव हमारी संवेदनाओं की वाहक रही है। जब भी हम किसी को तसल्ली देना चाहते हैं, आश्वस्त करना चाहते हैं तब हमारी हथेली स्वयंमेव उनके कंधे या हाथों का स्पर्श कर हमारी संवेदना उनतक पहुंचाने का प्रयास करती है। धन्वंतरि जी जिन्होंने 'चिकित्सातत्त्वविज्ञानतन्त्र' की रचना की थी, उन्हें संपूर्ण विश्व जानता और मानता है, वे संक्रमण रोग से बाधित व्यक्ति में अपने उंगलियों के पोर से विद्युत सम अपनी आंतरिक ऊर्जा प्रवाहित कर उन्हें रोग मुक्त कर दिया करते थे।

कालांतर में स्पर्श चिकित्सा भी विकसित हुई थी। कई गुरु अपने स्पर्श से मरीजों को निरोगी बना देते थे। आज कलियुग में सामान्य मानव भी बड़ी सहजता से उंगलियों के पोर पर चैतन्य की अनुभूति पा लेता है और अपने स्वयं के अंदर या किसी और व्यक्ति के अंदर समस्या कहां है इसे चैतन्य के माध्यम से जान पाता है। इस ईश्वरीय ऊर्जा की अनुभूति पाने के लिए हमें अपनी ही आत्मा से जुड़ना होगा। हमारी आत्मा हमारे अंदर है, पर हम सदैव उससे जुड़े हुये नहीं होते हैं। अपनी आत्मा से जुड़ने के लिए हमारे अंदर शुद्ध इच्छा होनी चाहिए और अपनी बुद्धि और अहंकार से परे होते हुये हमें परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहज योग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार लेकर रोज कुछ देर ध्यानरत रहने का अभ्यास करना होगा।

हमारे अंदर स्थित सूक्ष्म शरीर की नाड़ियाँ हमारी हथेली व उंगलियों से जुड़ी हुई हैं। जब सहज योग की पद्धति से हम ध्यान करते हैं तब चैतन्य प्रवाह शीतल व निर्बाध होता है। पर यदि हमारे अंदर कहीं अस्वस्थता हो या कोई बाधा हो तो जिस जगह समस्या है वहां स्थित चक्र से हमारी संबंधित उंगली में गर्म चैतन्य या चुभन का आभास होता है ऐसे में हम उस चक्र पर कुछ देर ज्यादा ध्यान कर अपनी समस्या से निजात पाते हैं।

दूसरों को भी यदि आवश्यकता हो तो सहज योगी अपनी हथेली के माध्यम से उन्हें चैतन्य देते हैं ताकि उनके अंदर यदि कहीं कुछ नकारात्मक हो तो उसे दूर कर सके। तब भी संबंधित व्यक्ति के अंतर्स्थिति का आभास उंगलियों के पोर पर हो जाता है। इस घोर कलियुग में इस ईश्वरीय अनुभूति को समझना अद्भुत संयोग ही होगा। हर व्यक्ति को इसे पाने का अधिकार है।

पेड़ पौधे, पशु पक्षी व अपने आसपास के पर्यावरण को भी चैतन्य से सुरक्षित कर सकते हैं। तो चलिए इस अद्भुत ज्ञान को जिसे आध्यात्म का विज्ञान भी कहते हैं से जुड़ें और अपनी अंतरआत्मा से जुड़कर हम अपनी हथेलियों पर अपने संपूर्ण शरीर की स्थिति को समझें और अपने चिकित्सक स्वयं बनें। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

इंदौर थाना प्रभारी बाणगंगा सियाराम सिंह गुर्जर चंदन पेड़ चोर गिरोह का किया पर्दाफाश!

बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर

शहर में कई सालों से सरकारी परिसर में लगे चंदन के पेड़ों को तस्करों के निशाने पर है! इसी कड़ी में कल बी एस एफ रेंज मैं चंदन पेड़ काटने की घटना हुई लेकिन आरोपियों को तुरंत ही पकडा यह आरोपी चंदन के पेड़ को काटकर चंदन का तेल बनाने वाली फैक्ट्री में बेचते थे चंदन की लड़कियां थाना बाणगंगा प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया पकड़े गए आरोपी विक्रम सिंह परमार निवासी उज्जैन राधेश्याम और ईश्वर जो आरोपी के साथ ही थे उनको भी पुलिस थाना बाणगंगा ने गिरफ्तार कर लिया है! और उनसे पूछताछ जारी है संभवत और भी चंदन की तस्करी करते हुए वारदात सामने आने की संभावना है!

रणजीत टाइम्स

सुदर्शन न्यूज में भव्य शस्त्र पूजन-शौर्य और संकल्प से भारत माता की अखंडता की रक्षा का संकल्प

राजेश धाकड़

सुदर्शन राष्ट्र निर्माण संगठन द्वारा 500+ हिंदू वीरों की उपस्थिति में हुआ आयोजन, धर्मयोद्धा डॉ. सुरेश चव्हाणके ने कहा — "शस्त्र केवल लोहे के हथियार नहीं, बल्कि राष्ट्र और धर्म की रक्षा का संकल्प हैं।"

नई दिल्ली इंदौर। सुदर्शन न्यूज के मीडिया मंदिर में सुदर्शन राष्ट्र निर्माण संगठन द्वारा आयोजित शस्त्र पूजन का भव्य कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति और सनातन परंपरा की अद्भुत मिसाल बन गया। इस अवसर पर देशभर से आए 500 से अधिक हिंदू वीरों ने एक साथ शस्त्र पूजन कर भारत माता की अखंडता और धर्म की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धर्मयोद्धा, हिंद केसरी और सुदर्शन न्यूज के प्रधान संपादक एवं सुदर्शन राष्ट्र निर्माण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुरेश चव्हाणके उपस्थित रहे। उनके साथ मंच

पर राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. पवन आर्य सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

पदाधिकारियों की घोषणा

शस्त्र पूजन कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार के अंतर्गत नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इनमें प्रमुख रहे राष्ट्रीय महामंत्रीः श्री मुकेश पाण्डेय

राष्ट्रीय संयोजक (लीगल सेल): सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट श्री दिनेश शर्मा

दिल्ली NCR महामंत्रीः श्री गोविन्द खटाना,पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्षः श्री सौरव तोमर,दिल्ली NCR महिला अध्यक्षः श्रीमती पूनम सिंह,मेरठ मण्डल अध्यक्षः श्री जितेन्द्र उज्वल

डॉ. सुरेश चव्हाणके ने अपने उद्बोधन में कहा,शस्त्र हमारी सनातन परंपरा का गौरव हैं। यह केवल लोहे के हथियार नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, धर्म की सुरक्षा और अन्याय के विनाश का संकल्प हैं। सुदर्शन परिवार ने शस्त्र पूजन कर यह घोषणा की है कि हम केवल कलम से नहीं, बल्कि शौर्य और संकल्प से भी भारत माता की अखंडता की रक्षा करेंगे।,जो धर्म के शत्रु हैं, उनके लिए शस्त्र हमारी ढाल भी हैं और प्रहार भी।"

सम्मान और आशीर्वचन

कार्यक्रम में उपस्थित सभी हिंदू वीरों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए निरंतर तत्पर रहेंगे।

जगतगुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज बने अंतर्राष्ट्रीय सनातन महासंघ के प्रमुख संरक्षक

राजेश धाकड़

इंदौर। सर्वधर्म दिवाकर, विश्व शांतिदूत, अंतर्राष्ट्रीय संत श्री श्री 1008 जगतगुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज को अंतर्राष्ट्रीय सनातन महासंघ का प्रमुख संरक्षक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट हर्ष मेहता एवं राष्ट्रीय संयोजक महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 विजेंद्रनाथ योगी जी द्वारा की गई। विश्व के सबसे बड़े नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की साक्षी में यह ऐतिहासिक घोषणा संपन्न हुई। इस दौरान

पूरे वातावरण में "जय श्री राम" और "हर हर महादेव" के उद्घोष गूंज उठे।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्ष मेहता जी और राष्ट्रीय संयोजक महामंडलेश्वर विजेंद्रनाथ योगी जी ने संयुक्त रूप से प्रमुख संरक्षक पद की घोषणा करते हुए कहा कि,जगतगुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज के आशीर्वाद से सनातन धर्म और भी सशक्त होगा तथा विश्वभर में भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का प्रचार-प्रसार होगा।",इस अवसर पर जगतगुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज को प्रमुख संरक्षक पदाभूषण से अलंकृत कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे विधायक सुश्री उषा ठाकुर जी,जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय मंत्री महंत रामेश्वर गिरी जी महाराज,अंतर्राष्ट्रीय सनातन महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोविंद जी सोलंकी,खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी श्री अशोक भट्ट,भारत सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल श्री सुनील जैन,अग्निबाण समूह के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किशोर जी चेलावत सहित अनेक संतगण, गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठजन।,इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने जगतगुरु श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज को प्रमुख संरक्षक बनाए जाने पर हर्षोल्लास व्यक्त किया और इस निर्णय को सनातन धर्म की वैश्विक उन्नति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

शारदीय नवरात्रि अनुष्ठान एवं नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न

हाटपीपल्या - स्थानीय गायत्री तीर्थ पर आयोजित शारदीय नवरात्रि अनुष्ठान, नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं साधना शिविर का समापन

संजय प्रेम जोशी

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025 को विजयादशमी पर्व पर महापूर्णाहुति के साथ हुआ। दिनांक 22 सितंबर से प्रारंभ हुए इस दस दिवसीय अनुष्ठान में प्रतिदिन प्रातःकाल सामूहिक देव पूजन, आरती, गायत्री महामंत्र जाप तथा नौ कुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया गया।

यज्ञ के साथ-साथ संस्कार एवं गोष्ठियाँ भी सम्पन्न हुईं। सायंकालीन समय में नादयोग, चालीसा पाठ और आरती से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम का संचालन तीर्थ के प० मनोहर गुरु ने किया। 28 सितंबर, रविवार को सभी संस्कार सामूहिक रूप से सम्पन्न कराए गए जिसमे बड़ी संख्या में संस्कार संपन्न कराए गये।दिनांक 2 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व मनाया गया एवं हजारों की संख्या में परिजनों ने यज्ञ में आहुतियां समर्पित की। पूर्णाहुति के पश्चात यज्ञ का महाप्रसाद परिजनों ने ग्रहण किया। समापन अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय परिजन, श्रद्धालु एवं गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गायत्री परिवार के श्री गिरीश चंद्र गुरु ने सभी साधकों एवं परिजनों को साधना शिविर में सहभागी बनने और सफल आयोजन में सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपादकीय

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की अधूरी कहानी

समाज में महिला और पुरुषों की आबादी में संतुलन बेहद जरूरी है। देश में बेटियों की कम हो रही संख्या को समान अनुपात में लाने के लिए सरकार की ओर से हर स्तर पर प्रयास किए जाते रहे हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना भी इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। राष्ट्रीय स्तर पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य गिरते लिंगानुपात को रोकना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना तथा बालिकाओं की शिक्षा और शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़े कार्यों को गति देना है। बेटियों के लिए यह योजना निश्चित तौर पर बदलाव की वाहक बन सकती है, लेकिन सवाल है कि क्या यह परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ पा रही है? महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की हालिया रपट के तथ्यों से तो ऐसा नजर नहीं आ रहा है। रपट में कहा गया है कि इस योजना के तहत पिछले ग्यारह वर्षों में स्वीकृत राशि में से करीब एक तिहाई राशि का इस्तेमाल नहीं हो पाया है। वर्ष 2024-25 (31 दिसंबर तक) में तो सबसे कम करीब तेरह फीसद राशि ही खर्च हो पाई। ऐसे में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और इसकी सफलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

यह सच है कि नई तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती हैं। भ्रूण परीक्षण जैसे गैरकानूनी और अनैतिक कृत्य भी तकनीक के दुरुपयोग का ही परिणाम है। देश में लिंगानुपात गड़बड़ाने का एक कारण भ्रूण परीक्षण भी है। हालांकि इस पर कानूनन प्रतिबंध है, लेकिन चोरी-छिपे भ्रूण परीक्षण कराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। हमारे समाज की रूढ़िवादी मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार है। बेटे को प्राथमिकता और बेटियों को परिवार पर बोझ समझने की प्रवृत्ति आज भी मौजूद है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में समाज की इस सोच को बदलने का आह्वान भी सम्मिलित है। इसके क्रियान्वयन में जो लापरवाही देखी जा रही है, वह बेहद निराशाजनक है। जब इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया जा रहा है, तो इसका लाभ पात्र बालिकाओं तक कैसे पहुंचेगा? जिस उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी, वह लक्ष्य कैसे हासिल हो पाएगा? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। रपट में कहा गया है कि पिछले ग्यारह वर्षों में इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का सौ फीसद इस्तेमाल कभी नहीं हो पाया। यानी संबंधित अधिकारी यह तय ही नहीं कर पाते हैं कि इस राशि को कहां और कैसे खर्च किया जाए। जबकि योजना के मुताबिक, इस राशि का इस्तेमाल लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, पोषण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सुविधाएं और शौचालय के निर्माण जैसे कार्यों पर किया जाता है। जिला स्तर पर इस योजना को लागू करने के लिए धनराशि राज्य सरकार के माध्यम से प्रदान की जाती है। रपट से पता चलता है कि कई जगह पोस्टर और नारों जैसे कार्यों पर ही अधिक राशि खर्च की गई है, जबकि बालिका शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर वास्तविक खर्च सीमित रहा। इससे साफ है कि इस योजना को जमीन पर उतारने में बहुस्तरीय लापरवाही बरती जा रही है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी, तभी यह योजना सही मायने में आगे बढ़ पाएगी।

लोक-लुभावन राजनीति का नहीं घट रहा चलन

हाल के वर्षों में, भारत में चुनावों के पूर्व नकदी बांटने, बेरोजगारी भत्ता देने, मासिक पैसा देने जैसे वादे आम हो गए हैं. वर्ष 2014 से, नौ राज्यों ने लगभग 2.53 लाख करोड़ रुपए की कृषि ऋण माफी की घोषणा की, लेकिन मार्च 2022 तक 3.7 करोड़ पात्र किसानों में से केवल 50 प्रतिशत ही वास्तव में लाभान्वित हुए थे. दिल्ली में 1.5 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 71 लाख महिला मतदाताओं के लिए भाजपा ने 2,500 रुपए प्रति माह के साथ ही अन्य भत्ते देने का वादा किया था. मुफ्त के ये उपहार सरकारी खजाने को बहुत महंगे पड़ते हैं. एक अध्ययन के अनुसार 21 राज्य सरकारों ने राज्य चुनावों से ठीक पहले छूट की घोषणा की, जिनमें से केवल चार में हार मिली. अधिकांश राज्य सरकारों ने चुनावी वादों की फसल काटी. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता पर बहस फिर से शुरू हो गई है, इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इसमें शामिल होने के साथ. यह विवाद नया नहीं है. वर्षों पहले, सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने के खिलाफ एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उस समय वह भारतीय नागरिक नहीं थीं.

हरीश गुप्ता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि केंद्र सरकार उन राज्यों की मदद नहीं कर सकती जो अवास्तविक चुनावी वादे करके अपना खजाना खाली कर देते हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने एक टीवी कार्यक्रम में चुनावों से पहले राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सुविधाओं के वादों की झड़ी लगाने की निंदा की और कहा कि सार्वजनिक वित्त से निपटने में इस तरह की लापरवाही को हतोत्साहित किया जाना चाहिए. हालांकि भाजपा महिलाओं, युवाओं और अन्य लक्षित मतदाताओं के खातों में सीधे नकद हस्तांतरण के दम पर एक के बाद एक चुनाव जीत रही है.

उसने हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनावों में इसी नकद हस्तांतरण के बल पर जीत हासिल की. बिहार में चुनाव नजदीक आते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल्याणकारी योजनाओं के द्वार खोल दिए हैं, और वोटों के लिए महिलाओं व युवाओं को लक्षित कर योजनाएं बना रहे हैं. नीतीश की इस योजना पर सालाना 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होंगे, जो राज्य के संसाधनों का 66 प्रतिशत है.

पिछले दिनों, प्रधानमंत्री ने स्वयंसहायता योजना के तहत 75 लाख महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रुपए, यानी कुल 7,500 करोड़ रु. सीधे हस्तांतरित किए. इसकी शुरुआत 80 के दशक में 'कृषि बेल्ट' राज्यों में पारंपरिक कृषि ऋण माफी योजनाओं या दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मुफ्त राशन के वादे से हुई थी.

हाल के वर्षों में, भारत में चुनावों के पूर्व नकदी बांटने, बेरोजगारी भत्ता देने, मासिक पैसा देने जैसे वादे आम हो गए हैं. वर्ष 2014 से, नौ राज्यों ने लगभग 2.53 लाख करोड़ रुपए की कृषि ऋण माफी की घोषणा की, लेकिन मार्च 2022 तक 3.7 करोड़ पात्र किसानों में से केवल 50 प्रतिशत ही वास्तव में लाभान्वित हुए थे.

दिल्ली में 1.5 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 71 लाख महिला मतदाताओं के लिए भाजपा ने 2,500 रुपए प्रति माह के साथ ही अन्य भत्ते देने का वादा किया था. मुफ्त के ये उपहार सरकारी खजाने को बहुत महंगे पड़ते हैं. एक अध्ययन के अनुसार 21 राज्य सरकारों ने राज्य चुनावों से ठीक पहले छूट की घोषणा की, जिनमें से केवल चार में हार मिली. अधिकांश राज्य सरकारों ने चुनावी वादों की फसल काटी.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता पर बहस फिर से शुरू हो गई है, इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इसमें शामिल होने के साथ. यह विवाद नया नहीं है. वर्षों पहले, सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने के खिलाफ एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उस समय वह भारतीय नागरिक नहीं थीं.

उस याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया था. हालांकि राहुल गांधी का मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में लंबित है. भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया है कि राहुल के पास ब्रिटिश नागरिकता है और उन्होंने मांग की है कि उनकी भारतीय नागरिकता रद्द की जाए. मामले ने अप्रत्याशित मोड़ तब ले लिया जब ईडी ने 9 सितंबर को शिशिर को तलब किया.

इससे लोगों में हड़कंप मच गया और इस बात को लेकर अटकलें लगाई जाने लगीं कि क्या एजेंसी अब राहुल की नागरिकता के मामले में सबूत जुटा रही है. आधिकारिक तौर पर, ईडी ने कहा है कि उसकी जांच विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के संभावित उल्लंघन से संबंधित है. शिशिर के अनुसार, राहुल ने विदेश में व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त की.

उन्होंने दावा किया है कि उनके पास लंदन, वियतनाम और उज्बेकिस्तान के दस्तावेज हैं जो कथित तौर पर उनके दावे का समर्थन करते हैं. बताया जा रहा है कि ईडी राहुल के विदेशी व्यवसायों, आय के स्रोतों और बैंक खातों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रही है. शिशिर ने एजेंसी को वास्तव में क्या बताया,

इसका खुलासा नहीं किया गया है. लेकिन ईडी के हस्तक्षेप ने वर्षों से चले आ रहे एक विवाद को और हवा दे दी है. देखना यह है कि यह जांच सिर्फ वित्तीय जांच ही रहेगी या राहुल गांधी की राजनीतिक पहचान के इर्द-गिर्द किसी बड़े मामले में बदल जाएगी.

राजद के प्रथम परिवार के भीतर एक खामोश लेकिन कड़वा झगड़ा चल रहा है. बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और घर, दोनों से दरकिनार किए जाने के बाद, अब लालू प्रसाद यादव की बड़ी बहू ऐश्वर्या राय नाखुश दिख रही हैं. दोनों घटनाओं के केंद्र में एक ही शख्स है- तेजस्वी के मुख्य रणनीतिकार संजय यादव. हरियाणा के मूल निवासी संजय, तेजस्वी के लिए अपरिहार्य हो गए हैं.

अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पार्टी का ऐसा ढांचा तैयार किया है जहां लालू का दबदबा भी कम होता जा रहा है. राजद के सुनहरे दिनों में, कार्यकर्ता 'पंच देवता' - लालू, राबड़ी, तेजस्वी, तेजप्रताप और मीसा भारती - के आगे नतमस्तक रहते थे. रोहिणी आचार्य इस खेल में नई खिलाड़ी हैं. आज, पार्टी एक नए एकेश्वरवाद के तहत काम करती है,

जहां तेजस्वी की इच्छा को अमलीजामा पहनाने वाले संजय के वचन ही सब कुछ हैं. रणनीति स्पष्ट है. यादव परिवार का सिर्फ एक सदस्य चुनाव लड़ेगा- खुद तेजस्वी. राघोपुर विधानसभा सीट उनका गढ़ बनी हुई है. जब तेज प्रताप ने विरोध किया तो उन्हें अपने छोटे भाई से मिलने तक नहीं दिया गया और बाहर का रास्ता दिखा दिया गया.

ऐश्वर्या, जो 2019 का लोकसभा चुनाव सारण से मामूली अंतर से हार गई थीं, पर लालू फिर से विचार कर रहे थे. लेकिन संजय ने यह तर्क देते हुए इसे नकार दिया कि परिवार के बहुत सारे उम्मीदवार वंशवाद के आरोपों को मजबूत करेंगे. इसके पीछे छिपा हुआ दांव है किसी भी भाई-बहन या रिश्तेदार को संभावित चुनौती के रूप में उभरने से रोकना. एक आकस्मिक पहलू भी है. तेजस्वी भ्रष्टाचार के मामलों का सामना कर रहे हैं. अगर दोषी ठहराए जाते हैं, और अगर उनके भाई-बहन विधायक पद पर आसीन होते हैं, तो उनमें से कोई एक स्वतः ही नेतृत्व की कुर्सी पर आ सकता है. सभी भाई-बहनों को बाहर रखकर, तेजस्वी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी प्रतिद्वंद्वी सत्ता केंद्र विकसित न हो. पहली बार, तेजस्वी पार्टी में अपनी राह खुद तय करने की कोशिश कर रहे हैं- अपने पिता के संरक्षण और परिवार के दबावों से अलग. वे चाहते हैं कि राजद उनके पीछे ही एकजुट हो, न कि पूरे कुनबे के इर्द-गिर्द. ऐसा करने से, वह अपने भाई-बहनों को अलग-थलग करने का जोखिम उठा रहे हैं, लेकिन पार्टी के भविष्य पर निर्विवाद नियंत्रण भी सुनिश्चित कर रहे हैं.

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा की थी. लेकिन जब इसकी शुरुआत हुई तो प्रधानमंत्री मोदी ने 75 लाख महिलाओं के खातों में 7500 करोड़ रुपए जमा किए. यह शायद पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री के नाम पर किसी कल्याणकारी योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने अपनी मौजूदगी में किया हो. बिहार चुनाव महिला, मंदिर और मोदी के नाम पर लड़ा जाएगा - भाजपा ने नीतीश कुमार का कोई जिक्र नहीं किया. क्या चुनाव से पहले ही कोई नई पटकथा लिखी जा रही है?

स्मार्ट मीटर के विरोध में 6अक्टूबर को भोपाल में प्रदर्शन

उपभोक्ता 200 यूनिट मुफ्त में देने, रेट कम करने जैसी 11 मांग भी करेंगे

भोपाल (नप्र)। स्मार्ट मीटर के विरोध में 6 अक्टूबर को भोपाल में बड़ा प्रदर्शन होगा। मध्यप्रदेश बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन (एमईसीए) के बैनरतले प्रदेशभर से उपभोक्ता डॉ. अंबेडकर पार्क में जुटेंगे। वे 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, बिजली के रेट कम करने जैसी 11 मांग भी सरकार से करेंगे। इसे लेकर शुक्रवार को संगठन की बैठक हुई और रणनीति तैयार की गई।

एसोसिएशन की प्रदेश संयोजक रचना अग्रवाल और लोकेश शर्मा ने बताया, मध्यप्रदेश सहित देशभर में बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के प्री-पेड स्मार्ट मीटर का विरोध किया जा रहा है। ये विरोध कोई औपचारिकता या कोई निहित स्वार्थ पर आधारित राजनीतिक विरोध नहीं है, बल्कि हमारी दैनिक आय

और जीवन मरण के प्रश्न से जुड़ा है। हाल ही में इसके दुष्परिणाम भी सामने आए हैं। बैठक में मुदित भटनागर, सतीश ओझा, आरती शर्मा आदि पदाधिकारी भी मौजूद थे। पदाधिकारी बोले-प्रदेश में स्मार्ट मीटर की स्थिति ठीक नहीं स्मार्ट मीटर से अत्यधिक बढ़े हुए बिजली बिलों की समस्या मध्यप्रदेश के सभी जिलों में है। भोपाल में ही उपभोक्ताओं ने बताया कि उनका बिल हर महीने भरने के बावजूद एक उपभोक्ता का 10 हजार, दूसरे का 20 हजार, तीसरे का 29 हजार रुपए आया है।

ग्वालियर में उपभोक्ता जिसका एक कमरे का घर है, के बिल 5 हजार रुपए तक आ रहे हैं। ग्वालियर के 3 उपभोक्ताओं ने बताया कि महीने में दो बार बिल आ गया है। दोनों 6-6 हजार का है। गुना, सीहोर, विदिशा, सतना, इंदौर, देवास, दमोह, जबलपुर आदि जिलों में भी आम उपभोक्ता जिसके बिजली बिल 700-800 आते थे, वे हजारों में आ रहे हैं। गुना में एक किसान को 2 लाख से ज्यादा का बिजली बिल दिया गया। जहां-जहां स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन सभी जिलों में उपभोक्ता बिजली बिलों से पीड़ित है। लोग अपने गहने और बर्तन बेचकर बिल भर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक नर बाघ और दो मादा शावकों की मौत

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिला स्थित प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में जंगल सफारी शुरू होने के दूसरे दिन ही दो अलग-अलग स्थानों पर तीन बाघों की मौत हो गई। इनमें एक वयस्क बाघ और दो मादा शावक हैं। गुरुवार की शाम एक वयस्क बाघ का शव मुक्की रेंज के मवाला में और लगभग दो महीने की दो मादा शावकों के शव कान्हा रेंज की मुंडीदादर बीट में मिले हैं। रिजर्व प्रबंधन ने फिलहाल घटना की वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष बताया है और मामले की जांच की बात कही है। दरअसल, बारिश के दौरान प्रजनन काल में तीन महीने के लिए प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया जाता है। एक अक्टूबर से सभी टाइगर रिजर्व को पर्यटकों को लिए पुनः खोला गया है। इसके बाद सभी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई है। इसी बीच दो अक्टूबर की शाम होते-होते तीन बांघों की मौत हो गई। मरने वालों में दो मादा बाघ शावक की उम्र एक-से दो महीने और वयस्क नर बाघ की उम्र 10 वर्ष बताई गई है। वन अधिकारियों के मुताबिक शावकों पर किसी नर बाघ ने हमला किया, जो क्षेत्र में नव प्रवेशी हो सकता है। शावकों के गले और सिर पर गहरी चोटें मिलीं, जो बाघों के बीच संघर्ष की निशानी हैं। वहीं एक 10 वर्षीय नर बाघ की गले की हड्डी टूटने से मौत हुई। पोस्टमॉर्टम में पाया गया कि यह क्षेत्रीय लड़ाई का शिकार हुआ, जहां दो नर बाघों के बीच टकराव आम है। कान्हा प्रबंधन ने तुरंत एनटीसीए को सूचित किया और सभी शवों का अंतिम संस्कार (शवदाह) कर दिया गया, ताकि अन्य जंगली जानवरों को नुकसान न हो। कान्हा टाइगर रिजर्व के निदेशक संजय शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि ये मौतें इंट्रा-स्पीशीज कंफ्लिक्ट (प्रजाति के अंदर संघर्ष) की वजह से लग रही हैं। बाघों की घनी आबादी (रिजर्व में 100+ बाघ) में क्षेत्रीय विवाद बढ़ जाते हैं, लेकिन फॉरेंसिक जांच पूरी होने पर ही पुष्टि होगी। डॉग स्क्वाड ने आसपास के क्षेत्र की तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध निशान नहीं मिला। वहीं, वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु कौशिक ने कहा कि कान्हा में बाघों की संख्या 100 से अधिक है, जो अच्छा संकेत है, लेकिन इससे टकराव भी बढ़ता है। शावकों की मौत सबसे दुखद, क्योंकि वे भविष्य की पीढ़ी हैं। एनटीसीए को मॉनिटरिंग बढ़ानी चाहिए। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश का कान्हा टाइगर रिजर्व 940 वर्ग किमी में फैला है और यह प्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है। यहां बरासिंघा और बाघों की आबादी पर गर्व किया जाता है, लेकिन एक ही दिन में तीन बाघों की मौत ने प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। इधर, डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

दशहरा पर्व एवं विसर्जन स्थलों पर दिखी अव्यवस्था, नाव पर सोते नजर आए पुलिसकर्मी

हरदा। असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व पर प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त नहीं दिखी। पटाखे फोड़ने के दौरान परिसर में बच्चे दिखे। परिसर में बिना अनुमति के बच्चे कैसे पहुंचे यह जांच का विषय बन गया है। रावण के सामने और पटाखे फोड़ने के आसपास बच्चों का मौजूद रहना जोखिम पूर्ण था। बावजूद इसके बच्चों को वहां से दूर भेजने की किसी ने कोई कोशिश नहीं की। विसर्जन स्थल पर कोई व्यवस्था नहीं - देवी प्रतिमा के विसर्जन के लिए नदी के पेड़ी घाट पर कुण्ड बनाये गये थे किंतु वहां पर कोई बोर्ड नहीं लगाया था। गड्ढे की चौड़ाई गहराई के साथ-साथ कोई संकेत, सुझाव और सावधानी बरतने के कोई दिशा निर्देश अंकित नहीं थे। सुरक्षा और व्यवस्था संभाल रहे पुलिस कर्मियों के लिए टेंट तो लगाया था, किंतु उनके वहां बैठने को, भोजन, पानी आदि की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। लिहाजा पुलिसकर्मी नाव पर सोते हुए नजर आये। नदी के बीच में नाव पर सोना जोखिम पूर्ण है। यह महज इत्तेफाक था कि कोई घटना नहीं हुई। किंतु नाव पर सोना जोखिम पूर्ण है। नाव के पलटने और डूबने से कोई बड़ी घटना हो सकती थी। टेंट में यदि व्यवस्था होती तो पुलिसकर्मी नाव पर क्यों आराम करते। इससे जाहिर हो रहा है कि पूर्व तैयारी के तहत व्यवस्थाएं नहीं की गई थी। नदी के आसपास शराब की बोतले आई नजर- देवी विसर्जन स्थल पर दारू की बोतलें और सिगरेट पीने के अवशेष थे। व्यवस्था चाक चौबंद होती तो संभवतः ऐसी स्थिति नहीं बनती। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर खानापूर्ति की गई थी। देवी विसर्जन के दौरान भी शराब की बिक्री जारी रही जबकि गांधी जयंती के मौके पर शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। इसके बाद भी शराब, बिड़ी, सिगरेट, गांजा पीते लोग नजर आये जिससे प्रशासन की सक्रियता, सजगता, सतर्कता की पोल खुल गई। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की खुली पोल - दशहरा पर्व के दौरान पुलिस द्वारा पुख्ता इंतजाम का दावा किया जा रहा था इस दावे की पोल उस समय खुल गई जब पटाका फोड़ने के स्थान के आसपास भी बच्चे दिखे। दोनों स्थान पर बच्चों को प्रवेश नहीं देना चाहिए। फिर भी बच्चों की मौजूदगी ने प्रशासन की चुस्त व्यवस्था का एहसास करा दिया। पटाका फोडते वक्त कोई घटना हो जाती तो बच्चे चपेट में आ जाते महज इत्तफाक से ऐसी कोई घटना नहीं हुई, फिर भी सुरक्षा के लिहाज से ऐसा नहीं होना चाहिए। ऐसा कैसे हुआ इसके लिए कौन जिम्मेदार है और उन पर क्या कार्यवाही की जायेगी, ऐसे तमाम सवाल अब उठ रहे हैं।

कांग्रेस सेवादल बडवाह द्वारा गांधी जी की जन्मजयंती के अवसर पर श्री..गुरुद्वारा, नागेश्वर मंदिर, मस्जिद, चर्च परिसर में सफाई कर हिन्दू , मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई आपस में है भाई भाई का संदेश देकर जन्म जयंती मनाई!

बड़वाह। गांधी जंयती के अवसर पर कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों द्वारा गुरुद्वारे में संगत के अध्यक्ष बिन्दरसिह भाटिया एंव संगत के पदाधिकारियों के साथ परिसर मे सफाई कर सिक्ख समाज के वरिष्ठजनो को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम एक पौधा भेट किया तत्पश्चात नागेश्वर मंदिर प्रांगण में सफाई कर परिसर के सुरेन्द्र भारती एंव पंडित जी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम एक पौधा भेट किया तत्पश्चात मस्जिद में सदर आयाज शेख,पार्षद मजर अली, इरफान शेख, नौशाद खान आदि के साथ मस्जिद परिसर की सफाई कर पौधा भेट किया। तत्पश्चात ग्रेस स्कूल चर्च में संतोष बाजपेयी व उनके साथियों के साथ परिसर में सफाई कर चारों पवित्र स्थानो पर स्वच्छता के साथ भारत माता की जय, महात्मा गॉधी अमर रहे, हिन्दू, मुस्लिम सिक्ख ईसाई

आपस में है भाई भाई का नारे लगा एकता के साथ हम सब भारत माता की संतान है का संदेश दिया जिसको गुरुद्वारा,मंदिर, मस्जिद,चर्च तत्पश्चात कालेज प्रांगण में राष्ट्र ध्वज को नमन कर जय जवान ङ्क जय किसान का नारा देकर जवान एंव किसानों का मनोबल बढाने वाले भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर शासकीय महाविद्यालय प्रांगण में स्थित गांधी प्रतिमा स्थल पर लोकसभा प्रत्याशी नरेन्द्र पटेल के प्रतिनिधि गंगराडे, मंजू कोटवाल, रामदास नायक, दिलिप वाशिन्दे, कैलाश परिहार, राजाराम पटेल, सोनू परमार, दयाराम पावणा, आंनदराम गुर्जर, ज्ञानी नायक, चन्दू नायक, जयेश शाह, जगन वाशिन्दे, विरेन्द्र परमार, ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जितेंद्र पाटीदार एंव सचिव एस कुमार मालवीय ने पदाधिकारीयो के साथ बापू की प्रतिमा पर पुष्पमाला समर्पित कर भारत माता की आजादी में एंव राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान पर विचार प्रकट किए। इस अवसर पर सेवादल के पदाधिकारियों ने नारेबाजी के साथ सम्मान प्रकट किया। कांग्रेस सेवादल ब्लॉक सचिव एस कुमार मालवीय ने आभार प्रकट किया।

शरद पूर्णिमा

धरती पर अमृत की वर्षा करता है 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा

पौराणिक मान्यताएं एवं शरद ऋतु, पूर्णाकार चंद्रमा, संसार भर में उत्सव का माहौल। इन सबके संयुक्त रूप का यदि कोई नाम या पर्व है तो वह है शरद पूनम। वह दिन जब इंतजार होता है रात्रि के उस पहर का जिसमें 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा अमृत की वर्षा धरती पर करता है। वर्षा ऋतु की जरावस्था और शरद ऋतु के बाल रूप का यह सुंदर संजोग हर किसी का मन मोह लेता है। प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है।

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं। इसे रास पूर्णिमा भी कहते हैं। ज्योतिष की मान्यता है कि संपूर्ण वर्ष में केवल इसी दिन चंद्रमा षोडश कलाओं का होता है। धर्मशास्त्रों में इस दिन कोजागर व्रत माना गया है। इसी को कौमुदी व्रत भी कहते हैं। रासोत्सव का यह दिन वास्तव में भगवान कृष्ण ने जगत की भलाई के लिए निर्धारित किया है, क्योंकि कहा जाता है इस रात्रि को चंद्रमा की किरणों से सुधा झरती है। इस दिन श्री कृष्ण को कार्तिक स्नान करते समय स्वयं (कृष्ण) को पति रूप में प्राप्त करने की कामना से देवी पूजन करने वाली कुमारियों को चीर हरण के अवसर पर दिए वरदान की याद आई थी और उन्होंने मुरलीवादन करके यमुना के तट पर गोपियों के संग रास रचाया था। इस दिन मंदिरों में विशेष सेवा-पूजन किया जाता है। इस दिन प्रात- काल स्नान करके आराध्य देव को सुंदर वस्त्राभूषणों से सुशोभित करके आवाहन, आसान, आचमन, वस्त्र, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, ताम्बूल, सुपारी, दक्षिणा आदि से उनका पूजन करना चाहिए। रात्रि के समय गौदुग्ध (गाय के दूध) से बनी खीर में घी तथा चीनी मिलाकर अर्द्धरात्रि के समय भगवान को अर्पण (भोग लगाना) करना चाहिए। पूर्ण चंद्रमा के आकाश के मध्य स्थित होने पर उनका पूजन करें तथा खीर का नैवेद्य अर्पण करके, रात को खीर से भरा बर्तन खुली चांदनी में रखकर दूसरे दिन उसका भोजन करें तथा सबको उसका प्रसाद दें।

पूर्णिमा का व्रत करके कथा सुनानी चाहिए। कथा सुनने से पहले एक लोटे में जल तथा गिलास में गेहूं, पत्ते के दोनों में रोली तथा चावल रखकर कलश की वंदना करके दक्षिणा चढ़ाए। फिर तिलक करने के बाद गेहूं के 13 दाने हाथ में लेकर कथा सुनें। फिर गेहूं के गिलास पर हाथ फेरकर मिश्राणी के पांव स्पर्श करके गेहूं का गिलास उन्हें दे दें। लोटे के जल का रात को चंद्रमा को अर्ध्य दें। शरद पूर्णिमा से ही स्नान और व्रत प्रारम्भ हो जाता है। माताएं अपनी संतान की मंगल कामना से देवी-देवताओं का पूजन करती हैं। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत समीप आ जाता है। कार्तिक का व्रत भी शरद पूर्णिमा से ही प्रारम्भ होता है। विवाह होने के बाद पूर्णिमा (पूर्णमासी) के व्रत का नियम शरद पूर्णिमा से लेना चाहिए। शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ रहता है। इस दिन आकाश में न तो बादल होते हैं। और न ही धूल-गुबार। इस रात्रि में भ्रमण और चंद्रकिरणों का शरीर पर पड़ना बहुत ही शुभ माना जाता है। प्रति पूर्णिमा को व्रत करने वाले इस दिन भी चंद्रमा का पूजन करके भोजन करते हैं। इस दिन शिव-पार्वती और कार्तिकेय की भी पूजा की जाती है। यही पूर्णिमा कार्तिक स्नान के साथ, राधा-दामोदर पूजन व्रत धारण करने का भी दिन है।

शरद पूर्णिमा पर करें शिव की आराधना

शरद ऋतु में पड़ने वाली पूर्णमासी को कोजागिरी पूर्णिमा या शरद पूर्णिमा कहते हैं। पुराणों में मान्यता है कि इस दिन केसरयुक्त दूध या खीर चांदनी रोशनी में रखने से उसमें अमृत गिर जाता है। प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है। शरद पूर्णिमा पर चांद अपनी पूर्ण कलाएं लिए होता है। ज्योतिषाचार्य पं. हिंगे के अनुसार इस दिन चंद्र भगवान तथा शंकर भोलेनाथ की पूजा व मंत्र जाप सायंकाल के समय करके केसरयुक्त दूध या खीर का भोग रात को लगाते हैं। भोलेनाथ के मंत्र में वह शक्ति है जिसके प्रभाव से देवता खिंचे चले आते हैं। मंत्र की शक्ति से ही सामान्य वनस्पति में भी औषधिय गुण आ जाते हैं। तथा वह मनुष्य की दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों बाधाओं को दूर कर सुख-शांति का जीवन प्रदान करती है। शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण कलाएं लिए होता है। ऐसी मान्यता है कि चंद्रमा की सारी कलाएं रात्रि के समय इस धरती पर बिखरती हैं, इसलिए रात्रि के समय दूध या खीर चंद्रमा को भोग के रूप में खिलाते हैं, जिससे चंद्रमा की अमृतमय किरणें इस खीर पर पड़ती हैं।

शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया? रात में कैसे रखेंगे खीर

शरद पूर्णिमा का पावन पर्व हर साल आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि को मनाते हैं. शरद पूर्णिमा को सुबह में व्रत और पूजा करते हैं, वहीं रात के समय में चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं और खीर बनाकर चांद की रोशनी में रखते हैं. इस बार शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है. भद्रा के समय में कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित है. इस भद्रा का वास धरती पर है, इसलिए इसका प्रभाव भी अधिक होगा. भद्रा के समय में शुभ कार्य करने से उसमें बाधाएं आती हैं, उसका फल शुभदायक नहीं माना जाता है. ऐसे में शरद पूर्णिमा की रात खीर कैसे रखेंगे? महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के ज्योतिषाचार्य डॉ मृत्युञ्जय तिवारी बता रहे हैं शरद पूर्णिमा की रात खीर रखने का उपाय.

शरद पूर्णिमा कब है?

इस साल शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर दिन सोमवार को है. पंचांग के अनुसार, इस बार आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर को दोपहर 12.23 बजे से लेकर 7 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 9.16 बजे तक है. आश्विन पूर्णिमा की रात 6 अक्टूबर को है, इसलिए उस दिन ही शरद पूर्णिमा मनाई जाएगी.

शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया

शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है. उस दिन भद्रा का प्रारंभ दोपहर में 12 बजकर 23 मिनट से हो रहा है. यह भद्रा रात में 10 बजकर 53 मिनट तक रहेगी. यदि शरद पूर्णिमा के दिन आपको कोई शुभ कार्य करना है तो भद्रा के प्रारंभ होने से पहले कर लें, लेकिन इसमें भी राहुकाल का ध्यान रखना होगा. शरद पूर्णिमा के दिन राहुकाल सुबह में 07 बजकर 45 मिनट से सुबह 09 बजकर 13 मिनट तक है. राहुकाल को भी अशुभ फलदायी माना जाता है. हालांकि इस समय में कालसर्प दोष के उपाय करते हैं. इस दिन वृद्धि योग दोपहर में 01 बजकर 14 मिनट तक है. इस योग में आप जो भी शुभ कार्य करेंगे, उसके फल में बढ़ोत्तरी होगी.

भद्रा की वजह से कैसे रखें शरद पूर्णिमा की खीर?

भद्रा में शुभ कार्य करने वर्जित हैं क्योंकि वह अशुभ फल देते हैं. शरद पूर्णिमा की रात भद्रा के समय में आप खीर न रखें. भद्रा का समापन रात में 10.53 बजे हो जा रहा है. ऐसे में आप भद्रा के खत्म होने के बाद शरद पूर्णिमा की खीर को बाहर रख दें. लेकिन उस खीर को खाने के लिए आपको रात में काफी देर तक जागना होगा. हालांकि इसमें आप ये कर सकते हैं कि शरद पूर्णिमा की चांदनी में पूरी रात खीर को सुरक्षित रख दें और सुबह में उसका सेवन करें. उस खीर को ऐसे रखना है कि उसमें चंद्रमा की किरणें पड़ती रहें. साथ ही इसका भी ध्यान रखें कि उसमें कोई कीड़ा, कीट आदि न पड़ें और बिल्ली से भी वह सुरक्षित हो.

शरद पूर्णिमा की खीर का महत्व

शरद पूर्णिमा की खीर को सेहत के लिए लाभदायक मानते हैं. इसको खाने से स्वास्थ्य लाभ होता है. ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों से अमृत वर्षा होती है. जब वह किरणें खीर में पड़ती हैं तो खीर औषधीय गुणों वाला हो जाता है.

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की चेतावनी: कफ सिरप पर नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने खांसी की दवाओं (कफ सिरप) को लेकर अहम एडवाइजरी जारी की है, खासकर बच्चों के लिए। DGHS के निर्देशों में कहा गया है कि: 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कफ या सर्दी की दवाएं न दी जाएँ। 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सिरप देना हो तो केवल डॉक्टर की सलाह पर और सावधानी से करना चाहिए। अधिकांश खांसी स्व-नियंत्रित होती है और दवाइयों से पहले घरेलू उपाय (आराम, पानी, भाप आदि) को प्राथमिकता दें। मप्र के छिंदवाड़ा जिले में कम से कम 9 बच्चों की गुर्दे की जटिलताएँ होने के बाद यह कदम उठाया गया। मंत्रालय ने कहा है कि जांच की गई सिरप नमूने Diethylene Glycol (DEG) या Ethylene Glycol (EG) जैसे विषाक्त तत्व नहीं पाए गए। राज्यों और UTs को निर्देश दिए गए हैं कि वे ये एडवाइजरी तुरंत लागू करें, दवा आपूर्ति पर निगरानी बढ़ाएं और डॉक्टरों व फार्मासिस्टों को सचेत करें।

श्री सरस्वती गरबा मंडल में भव्य भंडारे एवं महाआरती का आयोजन किया गया!

श्री सरस्वती गरबा मंडल में भव्य भंडारे एवं महाआरती का आयोजन किया गया आयोजक ने बताया की कई बार उतर चढ़ाव हमारी ज़िन्दगी मे आए है पर माताजी के आश्रीवाद से सब अच्छा हुआ है विगत हमारे पूर्वजो द्वारा पिछले 50 वर्षों से ये आयोजन किया जा रहा है हमने भी इस परंपरा को ध्यान मे रखते हुए माता जी की स्थापना की थी जिसमें 9 दिन का नो सिंगर भी हमारे द्वारा किया गया था इसमें मुख्य रूप से उपस्थित दास बगीची के मुख्य पुजारी श्री देवेंद्र तिवारी जी।वार्ड 6 की पार्षद श्री संध्या यादव दीदी द्वारा पुरस्कार वितरण किया भी किया गया।। दीपू यादव। विकास जी पथरोड ।योगेन्द महंत जी।।सरस्वती गरबा मंडल के आयोजक यश दीप सोलंकी ।।। वरिष्ठ जन, दुर्गा दास जी बैरागी श्री लक्ष्मण

वाद्य जी ।। मुख्य रूप से उपस्थित लखन पवार जी। नरेश चौहान जी। शेखर जी जोशी। मोना चौहान आनंद वाद्य। गरबा मंडल परिवार अमित चौहान श्रवण नामदेव गब्बर नामदेव विवेक, हर्ष, सोनू, नकुल, सुमित, लक्की, गरबा मंडल परिवार उपस्थित रहा।

नगर निगम जोन-19 में EOW की छापेमारी, रिश्वतखोरी रंगेहाथ पकड़ी गई

9 में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) ने बड़ी कार्रवाई की है। सहायक राजस्व अधिकारी (ARO) पुनीत अग्रवाल और बिल कलेक्टर रोहित सावले को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इन दोनों अधिकारियों ने स्क्रैप व्यापारी संतोष सिलावट से गोदाम सील न करने के एवज में 50,000 रुपए की रिश्वत की मांग की थी। EOW ने इन्हें 40,000 रुपए लेते समय गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार, शिकायत के बाद EOW ने जाल बिछाकर यह कार्रवाई की। गोदाम को सील करने की धमकी देकर रिश्वत वसूलने की कोशिश की जा रही थी।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दिव्यांगों की देखभाल करने वालों को मिलेंगे 6000 रूपये महीना

नोटिफिकेशन जारी; क्या हैं शर्तें

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में 60 से 100 फीसदी तक दिव्यांग की देखरेख करने वालों को सरकार छह हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि देगी। यह राशि दिव्यांग के बैंक खाते में ही जाएगी ताकि अगर देखरेख करने वाला बदले तो यह राशि उसे ही मिले। दिल्ली सरकार की इस योजना को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। जल्द ही आवेदन ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर किए जा सकेंगे। राजधानी में बड़ी संख्या में ऐसे दिव्यांग हैं, जो अकेले चलने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे दिव्यांगों की देखरेख करने के लिए हमेशा कोई शख्स उनके आसपास चाहिए होता है। वह कोई परिवार का सदस्य या नजदीकी हो सकता है। ऐसे लोगों के लिए सरकार यह सहायता योजना लेकर आई है। अगर किसी भी समय आवेदक द्वारा दी गई जानकारी में असत्यता मिली तो कानूनी कार्रवाई के साथ जारी की गई राशि को वापस वसूला जाएगा।

सभी कश्मीरी विस्थापित परिवारों को राहत भत्ता: इसके साथ ही, कश्मीरी विस्थापितों को मिलने वाले राहत भत्ते को लेकर दिल्ली सरकार ने गुरुवार को अहम निर्णय लिया। सरकार ने इनकी राहत राशि की प्रक्रिया को आसान करते हुए पारिवारिक आय सीमा को खत्म कर दिया है। फैसले के बाद सभी पंजीकृत कश्मीरी विस्थापित

परिवारों को राहत भत्ता मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि तीन दशकों से अपने घरों से दूर रह रहे कश्मीरी हिन्दू विस्थापितों के जीवन में यह फैसला नई किरण लेकर आएगा।

एनसीआर के घरों पर बुलडोजर का खतरा

- हजारों घरों को जमींदोज करने के बाद अब सोहना में भी हजारों घरों पर बुलडोजर ऐक्शन का खतरा मंडरा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में बुलडोजर ऐक्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते कुछ सालों में हजारों घरों को जमींदोज करने के बाद अब सोहना में भी हजारों घरों पर बुलडोजर ऐक्शन का खतरा मंडरा रहा है। शहर के वार्ड 13 स्थित पहाड़ कॉलोनी और पीर कॉलोनी के निवासियों को विधायक तेजपाल तंवर से बड़ी राहत मिली है। निवासियों ने हरियाणा पर्यटन निगम की करीब साढ़े नौ एकड़ ज़मीन पर बने अपने हजारों पक्के घरों को न उजाड़ने की गुहार लगाई थी, जिस पर विधायक ने उन्हें उनके पक्के मकानों को नहीं टूटने देने का आश्वासन दिया है।

गुरुवार को इन कॉलोनियों से 100 से ज्यादा लोग भोंडसी स्थित विधायक तंवर के निवास पर उनसे मिलने पहुंचे। इन निवासियों में पूर्व पार्षद अनिल कुमार, वर्तमान महिला पार्षद आशा के पति टेकचंद, विनोद, टीटू, निल कमल, मंजित, जूम्मा समेत कई लोग शामिल थे। इन सभी ने विधायक के समक्ष अपने पक्के मकानों को न तोड़ने और उन्हें बेघर होने से बचाने की पुरजोर मांग की। इस दौरान लोगों के चेहरे पर दर्द और गुस्सा दोनों साफ दिख रहा था।

इस मामले को पूरी तरह समझने और सुनने के बाद भोंडसी के विधायक तेजपाल तंवर ने दोनों कॉलोनी के निवासियों को विश्वास दिलाया कि उनके मकानों को किसी भी हाल में नहीं उजाड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही इस मामले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बात करेंगे। विधायक ने अधिकारियों से फोन पर बात की और उन्हें किसी भी प्रकार से मकानों को नुकसान न पहुंचाने का आश्वासन दिया।

बता दें कि पर्यटन निगम की जमीन पर भू-माफियाओं ने हजारों लोगों को पर्यटन निगम की जमीन पर प्लॉट काट कर बेच दिए गए। पीर और पहाड़ कॉलोनी में लोग बीते दो दशक से मकान बना कर रह रहे हैं।

तानाशाही रोकना है तो...; भाकियू नेता राकेश टिकैत की किसानों से अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने गुरुवार को कहा कि तानाशाही से निपटने के लिए किसानों में एकजुटता और आंदोलन जरूरी है। सरकार आंदोलन दबाने का प्रयास करती है, लेकिन हमें एक जुट होना है। राकेश टिकैत ने ये बातें यूपी गेट पर दो अक्तूबर को भाकियू के हवन में कहीं। इस दौरान गाजियाबाद और दिल्ली का भारी पुलिस बल तैनात रहा। साल 2018 में किसान क्रांति यात्रा को यूपी गेट पर ही दिल्ली पुलिस ने रोका था। किसान दिल्ली में महात्मा गांधी के समाधि स्थल पर जा रहे थे। तभी से हर साल दो अक्तूबर को इसकी याद में यूपी गेट पर भाकियू हवन करती है और क्रांति दिवस मनाती है। गुरुवार को सुबह से ही यूपी गेट पर गाजियाबाद और दिल्ली पुलिस ने बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया था। साढ़े नौ बजे से किसान नेताओं का आना शुरू हुआ।

दिल्ली में पहले चरण में बनेंगे 3 मिनी सचिवालय

जगह भी हुई फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में लोगों की समस्याओं के जल्द समाधान के लिए मिनी सचिवालय बनाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। पहले चरण में तीन मिनी सचिवालय बनाने के लिए स्थान भी चिह्नित कर लिए गए हैं। यह मिनी सचिवालय पूर्वी, दक्षिण-पश्चिम और नई दिल्ली में बनेंगे।

इन स्थानों के बारे में दिल्ली सरकार को जानकारी दे दी गई है। उनके निर्देश पर जल्द ही यहां कार्यालय बनाने का काम शुरू होगा। अन्य जिलों में भी जल्द मिनी सचिवालय के लिए स्थान

चिह्नित करने के निर्देश सरकार ने दिए हैं। दिल्ली में बेहतर तालमेल के साथ काम करने के लिए सरकार द्वारा जिलों की संख्या बढ़ाकर 11 से 13 किए जा रहे हैं। इनमें से एक जिला एनडीएमसी क्षेत्र दिल्ली छावनी क्षेत्र को मिलाकर होगा। वहीं, 12 जिले निगम के प्रत्येक जोन के क्षेत्र के बराबर होंगे।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने राजधानी के सभी जिलों में एक मिनी सचिवालय बनाने के निर्देश दिए हैं। अन्य समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी डीएम की होगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भ्रष्टाचार को कतई न सहने की नीति अपनाने और विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक स्थान पर लाने के लिए जिलाधिकारियों (डीएम), उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और उप-रजिस्ट्रार के कार्यालयों में शिकायत और सुझाव पेटियां लगाने के भी आदेश दिए थे।

अवैध निर्माण की शिकायत करने का सीधे तौर पर कोई हक नहीं

- एमसीडी को इन संपतियों पर कार्रवाई करनी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि एक पड़ोसी को अवैध निर्माण की शिकायत करने का सीधे तौर पर कोई अधिकार नहीं होता। वह ऐसा तभी कर सकता है जब इस निर्माण से उसके घर या उससे संबंधित स्थल पर प्रकाश या हवा प्रभावित हो रही हो।

जस्टिस मिनी पुष्करणा की बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि शिकायतकर्ता काम से प्रभावित नहीं हो रहा और अवैध निर्माण वाली संपति का पड़ोसी नहीं है तो उसे शिकायत करने का अधिकार नहीं है।

बेंच ने करोल बाग इलाके में 15 जगहों पर अवैध निर्माण की शिकायत करने वाले व्यक्ति की सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। हालांकि, बेंच ने अपने फैसले में यह भी कहा कि बेशक किसी व्यक्ति विशेष को इस तरह के अवैध निर्माण की शिकायत करने का अधिकार नहीं है, लेकिन अवैध निर्माण पाए जाने पर एमसीडी को इन संपतियों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

एमसीडी ने कहा, कार्रवाई जारी : दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने जवाब दाखिल करते हुए कहा कि सभी संपतियों का निरीक्षण किया गया है। कुछ संपतियों में पाया गया है कि बिल्डिंग प्लान के एवज में गलत बयाजबाजी की गई थी। एक संपति पर पांच भवन योजनाओं को मंजूरी दी गई थी, लेकिन निरीक्षण के दौरान गड़बड़ी पाए जाने पर इनके खिलाफ अनधिकृत निर्माण की श्रेणी में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ।मामले में हाईकोर्ट ने एमसीडी को कार्रवाई करने को कहा है। वहीं, इन इमारतों के मालिकों को भी स्वतंत्रा दी है कि यदि उन्हें लगता है कि उनके द्वारा किया गया निर्माण सही है तो वह भी न्यायालय में अपना पक्ष रख सकते हैं।

15 संपतियों पर की थी शिकायत

एक व्यक्ति ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि करोल बाग इलाके में 15 ऐसी जगह हैं, जहां अवैध निर्माण किया गया है। कुछ जगहों पर अवैध निर्माण जारी है, लेकिन एमसीडी इन पर कार्रवाई नहीं कर रही है। इस पर बेंच ने कानून का हवाला देते हुए कहा कि अवैध निर्माण की शिकायत की आड़ में कई तरह के गैरकानूनी काम चल रहे हैं। इन अवैध निर्माण से संबंध ना रखने वाले व्यक्ति की इन शिकायतों पर सुनवाई उचित नहीं है।